तापमान

अधिकतम 28 डिग्री

न्यूनतम 13 डिग्री

हरिभूमि

कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026

[बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर]

4 सोमवार को शिव पूजा से सातों दिन का फल प्राप्त होता है-त्रिपाठी

खबर संक्षेप

16 को जगन्नाथ मंदिर चिरमिरी में पहुंचेंगे सीएम

मनेन्द्रगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर रखते हुए 16 फरवरी को जगन्नाथ मंदिर, चिरमिरी में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में विभिन्न प्रमुख स्थलों पर अधिकारियों को कार्यपालिक दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार हवन एवं पूजा स्थल तथा मुख्य मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं के लिए विजयेन्द्र सारथी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां चिरमिरी को दायित्व सौंपा गया है। उनके सहयोग के लिए विनीत कुमार सिंह नजूल तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ एवं सुश्री श्रुति धुर्वे तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ को सहायक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अमृत धारा महोत्सव का आयोजन 15 को

मनेन्द्रगढ़। जिले में आयोजित होने वाले अमृत धारा महोत्सव के अवसर पर 15 फरवरी को कार्यक्रम स्थल पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आयोजन के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में विभिन्न प्रमुख स्थलों पर अधिकारियों को कार्यपालिक दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार मुख्य मंच, ग्रीन रूम एवं जलपान व्यवस्था में शांति एवं व्यवस्थाओं के लिए लिंगराज सिदार, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ को दायित्व सौंपा गया है। अमृतधारा महोत्सव 2026 का आयोजन 15 फरवरी को किया जाना प्रस्तावित है। उक्त महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का आगमन संभावित है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अमृतधारा महोत्सव की आवश्यक तैयारियों के संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता आंनद डोंगरे को नोडल अधिकारी एवं लिंगराज सिदार संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

17 पदों पर एजेंसी के माध्यम से होगी भर्ती

मनेन्द्रगढ़। जिले में भारत की जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 17 कार्मिकों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी के अनुमोदन के बाद जारी सूचना के अनुसार जिला कार्यालय सहित जिले की समस्त तहसीलों एवं नगरीय निकायों में 15 तकनीकी सहायक तथा 2 बहु-कार्य कर्मचारी (एमटीएस) की नियुक्ति एजेंसी के माध्यम से की जाएगी। यह नियुक्ति कुल 18 माह की अवधि के लिए प्रस्तावित है।

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक

मनेन्द्रगढ़। कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति डी. राहुल वेंकट एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे की अध्यक्षता में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की जिला स्वास्थ्य समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, अस्पताल अधीक्षक, समस्त राष्टीय कार्यक्रमों के जिला नोडल अधिकारी एवं सहायक जिला नोडल अधिकारी, सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के संस्था प्रभारी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय हड़ताल का दिखा व्यापक असर, ट्रेड यूनियनों का शक्ति प्रदर्शन

राष्ट्रव्यापी हड़ताल से उबाल: नए लेबर कोड के खिलाफ संयुक्त मोर्चा सड़क पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरचा कॉलरी

एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र अंतर्गत चरचा माइन आरओ में केन्द्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए लेबर कोड के विरोध में ट्रेड यूनियनों का गुस्सा खुलकर सामने आया।

एटक, इंटक, एचएसएस एवं सीटू की चारों ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर गुरूवार को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की गई, जिसका क्षेत्र में व्यापक असर देखने को मिला। हड़ताल से पूर्व और हड़ताल के दिन क्षेत्र में पोस्टर, पर्चे, लाउडस्पीकर एवं जनसंपर्क अभियान के माध्यम से कोयला श्रमिकों और ठेका मजदूरों को आंदोलन के लिए संगठित किया गया। संयुक्त मोर्चा का आरोप है कि नए लेबर कोड के जरिए मजदूरों के ऐतिहासिक अधिकारों पर सीधा हमला किया जा रहा है। स्थायी नौकरी, सामाजिक सुरक्षा, कार्य घंटे, ओवरटाइम भुगतान, वेतन सुरक्षा और ट्रेड यूनियन की स्वतंत्रता को कमजोर करने की साजिश रची गई है। यूनियन नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह प्रयास कोयला उद्योग के राष्ट्रीयकरण (1972) से पहले की शोषणकारी व्यवस्था को दोबारा लागू करने जैसा है। निजीकरण और ठेका प्रथा को बढ़ावा देकर कोयला मजदूरों को कमजोर किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हड़ताल में शामिल ट्रेड यूनियन के लोग।

संयुक्त मोर्चा ने चरचा माइन आरओ सहित पूरे बैकुंठपुर क्षेत्र के स्थायी कर्मचारियों, ठेका मजदूरों और श्रमिक संगठनों से 12 फरवरी की हड़ताल को पूर्ण रूप से सफल बनाने की अपील की थी। यूनियनों ने दो टूक कहा कि यह संघर्ष केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है। अभी नहीं तो कभी नहीं का नारा देते हुए संयुक्त मोर्चा ने संकेत दिया कि मांगों पर ध्यान ⏭ शेष पेज 4 पर

केरला पुलिस की टीम पहुंची फाइनल में

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरचा कॉलरी

■ सेमीफाइनल में समलेश्वरी स्पोर्टिंग को 2-1 से हराया

अखिल भारतीय शेषन स्मृति 50 वें गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत प्रतियोगिता के दसवें दिन खेला गया पहला सेमीफाइनल मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा। यह मुकाबला केरला पुलिस केरल और समलेश्वरी स्पोर्टिंग संबलपुर ओडिशा के बीच खेला गया। इसमें केरला पुलिस ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद 2-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर राष्ट्रगान के साथ मैच का शुभारंभ किया गया। मुकाबला अपरान्ह 3:12 बजे शुरू हुआ। शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। मैच के पहले 5 मिनट में ही केरला पुलिस के जर्सी नंबर 17 बाबली ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद समलेश्वरी स्पोर्टिंग ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। मध्यांतर से ठीक एक मिनट पहले, समलेश्वरी स्पोर्टिंग के जर्सी नंबर 18 रोबिना ने बेहतरीन गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। मध्यांतर तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। मध्यांतर के बाद 9 वें मिनट में केरला पुलिस के जर्सी नंबर 13 सुजील ने शानदार गोल दागकर टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद केरला पुलिस को तीसरा गोल करने का अवसर भी मिला, लेकिन गेंद बाहर चली गई। अंत तक समलेश्वरी स्पोर्टिंग ने दबाव बनाया, पर केरला पुलिस की सधी हुई रक्षा के सामने गोल नहीं कर सकी। मैच के साथ-साथ दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार केरला पुलिस के जर्सी नंबर 17 बाबली को अतिथियों के हाथों प्रदान किया गया। इस मैच का पुरस्कार चरचा वेस्ट जेसीसी धर्मवीर सिंह द्वारा दिया गया। मैच अधिकारी एवं आयोजन मुख्य निर्णायक विजय आनंद सहायक निर्णायक प्रभुल कुमार, आकाश पटवा, फोर्थ ऑफिशियल पप्पू कुमार, मैच कमिश्नर ⏭ शेष पेज 4 पर

खिलाड़ियों के साथ उपस्थित अतिथि।

खेतों में जल रही पराली...

बैकुण्ठपुर। खेतों में पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, बावजूद जिले के कई क्षेत्रों के खेतों में पराली जलाई जा रही है। ज्यादातर किसान नियमों से अंजान रहते हैं।

संभाग स्तरीय बजट युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा विमल श्री परिसर में संभाग स्तरीय बजट युवा संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को केन्द्र एवं राज्य सरकार के बजट 2026 से जुड़ी योजनाओं, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की दिशा से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया ने कहा कि विकसित भारत कोई कल्पना या नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होती सशक्त वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले और 2014 के बाद के भारत की तुलना करने पर विकास का स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। आज भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में मजबूती से आगे बढ़ रहा है और बजट 2026 युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आया है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले ने कहा कि यह बजट सर्वसमावेशी विकास और जनकल्याण को समर्पित है। इसमें गरीब, किसान, महिला, युवा और मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और रोजगार से जुड़े निर्णय जिले और प्रदेश के विकास को नई गति देंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बजट में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है, इससे आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी तथा प्रदेश स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। जिला प्रभारी बाबूलाल गोयल ने युवाओं से बजट की योजनाओं को समझने, उनका लाभ लेने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा ⏭ शेष पेज 4 पर

ड्राइवर महा संगठन की आम सभा

वेस्ट चिरमिरी। छग ड्राइवर महा संगठन की जिला स्तरीय आम सभा का आयोजन चिरमिरी के बड़ा बाजार में संपन्न हुआ। इसमें जिले के सभी सारथी उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष छग ड्राइवर महासंगठन प्रीतम सेन उपस्थित रहे।

प्रदेशाध्यक्ष श्री सेन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ड्राइवर देश की रीढ़ की हड्डी है,जो देश की अर्थव्यवस्था को चलाता है। ड्राइवर (सारथी) समाज के अधिकारों के लिए संगठन द्वारा निरंतर शासन-प्रशासन से लड़ाई लड़ी जाती रही है। इसी कड़ी में अक्टूबर 2025 में स्टेयरिंग छोड़ों आंदोलन किया गया था, जिसका व्यापक असर देखने को मिला था और छग की प्रदेश सरकार हमारी मांगों के समक्ष झुकना पड़ा था। उस समय हमें आश्वस्त किया गया था कि हमारी मांगों को अतिशीघ्र पूर्ण किया जाएगा और ड्राइवर आयोग, वेलफेयर बोर्ड व ड्राइवर सुरक्षा कानून बनाया जाए, जिससे सारथी समाज पर हो रहे अन्याय पर विराम लग सके, किंतु उसे पर अमल नहीं किया गया। इस कारण अब हमें मजबूर होकर सरकार के खिलाफ आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। इसी तारतम्य में आगामी 2026-2027 में सरकार के खिलाफ जो आंदोलन होगा, उसी की रूप रेखा तैयार करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में आम सभा कर सारथी भाइयो को एकजुट किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सेन के साथ प्रदेश से छत्रधर यादव, हेमनाथ देवांगन, दिलीप शर्मा व जिले से दीपक यादव, रोशन लाल, महेन्द्र सिंह, लालबाबू जायसवाल, राहुल सेन एवं ब्लॉक से सोनू निगम, रामसिंह, विनोद कुमार, प्रेम कुमार, रामकुमार सहित सैकड़ों सारथी समाजके लोग शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

महाशिवरात्रि पर करतारेश्वर शिव की आराधना से जागेगा शिवत्व

मनेन्द्रगढ़। फाल्गुन कृष्ण पक्ष की पावन चतुर्दशी पर इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व आस्था, भक्ति और ज्योतिषीय चमत्कारों के साथ मनाया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन के सूत्रधार सरदार जसवीर सिंह कालरा ने बताया कि 15 फरवरी को पड़ने वाली महाशिवरात्रि पर ग्राम डगौरा स्थित प्राचीन एवं श्रद्धा का केन्द्र करतारेश्वर शिव मंदिर भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेगा। यहां भगवान करतारेश्वर शिव की विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और भोग-भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष महाशिवरात्रि पर लगभग 300 वर्षों बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जब एक साथ 11 शुभ योग और 5 राजयोग का निर्माण हो रहा है। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी को शाम 4.23 बजे से प्रारंभ होकर 16 फरवरी को शाम 5.9 बजे तक रहेगी। यह संयोग साधना, जप और शिव उपासना के लिए अत्यंत फलदायी माना जा रहा है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में भगवान करतारेश्वर शिव की उपासना करने से सभी कष्टों का नाश होता है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। इसी विश्वास के साथ श्रद्धालु शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, भस्म और धतूरा अर्पित कर भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। मंदिर में चारों प्रहर विशेष पूजन की व्यवस्था की गई है। इस धार्मिक आयोजन का संचालन हास्य योग सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष जसबीर सिंह कालरा ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं भोग-भंडारे का वितरण किया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर की सजावट, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में करतारेश्वर शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की आराधना करें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

शत-प्रतिशत लक्ष्य के लिए समीक्षा बैठक

बैकुण्ठपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परिसर के सभा कक्ष में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह की अध्यक्षता में विगत दिनों विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य अमलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राष्टीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में कैंसर स्क्रीनिंग एवं रिस्क्रीनिंग की शत-प्रतिशत एंट्री पूर्ण करने, एनसीडी क्लीनिक के सुचारू संचालन एवं पोर्टल एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान भारत योजना के लंबित लक्ष्यों को 15 फरवरी तक पूर्ण करने, टीबी मुक्त पंचायत लक्ष्य की प्राप्ति तथा वॉर्नेबल पॉपुलेशन की निक्षय पोर्टल पर एंट्री पूर्ण करने निर्देशित किया गया। साथ ही युविन पोर्टल सहित सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की ऑनलाइन एंट्री समय पर पूर्ण करने पर जोर दिया गया। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, तत्काल पंजीयन, इंडिकेटर अनुसार चिन्हांकन एवं उचित स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संस्थागत सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया गया। कम वजन वाले शिशुओं के लिए कंगारू मदर केयर प्रशिक्षण अनुसार प्रबंधन एवं नियमित प्रगति रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए। एलसीडीसी अंतर्गत लेप्रोसी संभावित मामलों की साप्ताहिक जांच एवं सीडीआर एंट्री समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। डॉ. प्रशांत सिंह ने विखं चिकित्सा अधिकारियों, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधकों, खंड विस्तार अधिकारियों तथा जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना अनुसार लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. आयुष जायसवाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अशरफ अंसारी आदि उपस्थित रहे।

चिरमिरी निगम: सामान्य सभा में कई मुद्दों पर नोंक झोंक

बिजली, पानी और साफ-सफाई का छाया रहा मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोमनहिल

नगर पालिक निगम चिरमिरी के सभागार में गुरूवार को दोपहर 1 बजे सभापति संतोष सिंह की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में महापौर रामनरेश राय, नेता प्रतिपक्ष श्रीमती गायत्री विरहा, सांसद प्रतिनिधि शंकर राव तथा विधायक प्रतिनिधि राजू नायक उपस्थित रहे। सदन में गेल्हापानी क्षेत्र में बिजली और जल समस्या, बरतुंगा में नव-निर्मित मुक्तिधाम को तोड़े जाने तथा वार्ड क्रमांक 22 में शुलभ कॉम्प्लेक्स तोड़े जाने का मुद्दा प्रमुख रूप से छाया रहा। सभा के दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याओं से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। एमआईसी सदस्यों, पार्षदों, नेता प्रतिपक्ष और महापौर ने शहर की सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के संबंध में सुझाव रखे। सफाई व्यवस्था को लेकर सदन में गंभीर चर्चा हुई। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष गायत्री विरहा, इम्तियाज अहमद, दीपा दुबे, गुलाम साबिर, शहाबुद्दीन, गंगा प्रसाद, राहुल भाई पटेल, सैयद अनीस, मनीष खटीक और शन्नी चौहथा सहित पार्षदों ने कुल 9 प्रश्न उठाए। पार्षद गुलाम साबिर ने एक योजना की राशि पात्र हितग्राहियों तक नहीं पहुंचने का मुद्दा उठाया। पार्षद दीपा जायसवाल ने गेल्हापानी में मूलभूत सुविधाओं बिजली और पानी की कमी की ओर ध्यानाकर्षित किया। राहुल भाई पटेल ने पार्षदों को आवश्यक जानकारी नहीं दिए जाने की शिकायत की, जबकि शन्नी चौहथा ने पात्र हितग्राहियों के राशन कार्ड से नाम काटे जाने का मुद्दा प्रमुखता से रखा। इन प्रश्नों का जवाब संबंधित एमआईसी सदस्य रामअवतार देवांगन, नरेन्द्र साहू, मनोज कुमार डे तथा आयुक्त रामप्रसाद आचला ने दिया।

प्रश्नकाल के दौरान राहुल भाई पटेल, इम्तियाज अहमद और शन्नी चौहथा ने वार्डवासियों के हित से जुड़े मुद्दों पर सत्तापक्ष को घेरा। महापौर रामनरेश राय ने सभी पार्षदों को धन्यवाद देते हुए कहा कि शीघ्र ही पीएचई द्वारा संचालित जल व्यवस्था को नगर पालिक निगम द्वारा संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जलावर्धन योजना एवं अमृत मिशन 2.0 के तहत घर-घर नल जल योजना, उद्यानों का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण तथा शुद्ध पेयजल के लिए पाइप लाइन विस्तार जैसे कार्य किए जाएंगे। ⏭ शेष पेज 4 पर

एमसीबी में 2.83 लाख क्विंटल धान परिवहन

मनेन्द्रगढ़। धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में धान उठाव अभियान ने अब तेज रफ्तार पकड़ ली है। जिला प्रशासन की सुदृढ़ कार्ययोजना, विभागीय समन्वय और सतत मॉनिटरिंग के चलते उपार्जन केन्द्रों से धान का सुरक्षित एवं समयबद्ध उठाव निरंतर जारी है।

सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था के कारण उपार्जन केन्द्रों में किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति निर्मित नहीं हो रही है और किसानों को भी किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। जिले के 19 हजार 58 किसानों से अब तक कुल 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। विभिन्न उपार्जन केन्द्रों से धान उठाव की स्थिति इस प्रकार है जिसमें कछोड़ से 6,900 क्विंटल, केल्हारी से 35,130 क्विंटल, कटकोना से 1,790 क्विंटल, कोड़ा से 8,130 क्विंटल, कौड़ीमार से 17,380 क्विंटल, खड़गवां से 1,540 क्विंटल, बरदर से 19,530 क्विंटल, रतनपुर से 18,830 क्विंटल, सिंगहत से 13,610 क्विंटल, कुवांरपुर से 890 क्विंटल, घुटरा से 17,130 क्विंटल, कठौतिया से 21,760 क्विंटल, चैनपुर से 30,190 क्विंटल, बंजी से 7,220 क्विंटल, जनकपुर से 1,060 क्विंटल, डोडकी से 10,120 क्विंटल, नागपुर से 22,560 क्विंटल, बरबसपुर से 26,540 क्विंटल, माड़ीसरई से 8,120 क्विंटल तथा सिंगरौली से 900 क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है। अब तक जिले में कुल 2 लाख 83 हजार 240 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक उठाव पूर्ण हो चुका है।

खबर संक्षेप

देशव्यापी औद्योगिक हड़ताल आज श्रमिक संगठनों ने दिखाई एकजुटता

बिश्रामपुर। केंद्र सरकार की कथित मजदूर-विरोधी एवं निजीकरण समर्थक नीतियों के विरोध में 12 फरवरी को देशव्यापी औद्योगिक हड़ताल का आह्वान किया गया है,यह जानकारी एसकेएमएस (एटक) के महासचिव अजय विश्वकर्मा,एचएमएस नेता नाथूलाल पांडेय, एससीकेएमसी (इंटक) के गोपाल नारायण सिंह तथा सीटू के महासचिव व्ही.एम.मनोहर ने संयुक्त प्रेस वार्ता में दी। श्रमिक नेताओं ने बताया कि हड़ताल को देश की दस प्रमुख ट्रेड यूनियनों एवं फेडरेशनों के साथ संयुक्त किसान मोर्चा,खेतिहर मजदूर संगठनों,सिस्टा ओबीसी तथा विभिन्न विपक्षी दलों का समर्थन प्राप्त है,उन्होंने आरोप लगाया कि बिना व्यापक संवाद के चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को लागू करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे मजदूरों के अधिकार, सामाजिक सुरक्षा, वेतन संरचना, स्थायी रोजगार, पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी और सामूहिक सौदेबाजी की क्षमता प्रभावित हो सकती है,नेताओं ने फिक्स्ड टर्म रोजगार, कार्य घंटे बढ़ाने, श्रम संस्थाओं की शक्तियों में कटौती तथा सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण जैसे मुद्दों को लेकर असंतोष जताया और कहा कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन आवश्यक हो गया है। उन्होंने बताया कि एसईसीएल में हड़ताल को सफल बनाने के लिए सोहागपुर, बैकुंठपुर और दीपका सहित विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें रायगढ़ से जोहिला क्षेत्र तक के यूनिट एवं क्षेत्रीय स्तर के नेताओं ने हिस्सा लिया,इसके अलावा एटक, एचएमएस, इंटक और सीटू के संयुक्त मोर्चे द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में गेट मीटिंग और पल्ला बैठकों के माध्यम से श्रमिकों से हड़ताल में भाग लेने की अपील की जा रही है,संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने दावा किया कि 12 फरवरी को एसईसीएल के सभी क्षेत्रों में श्रमिक हड़ताल में भाग लेंगे।

राजस्व भूमि पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों का चक्काजाम आज

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कल्याणपुर में राजस्व भूमि पर कथित अवैध अतिक्रमण को लेकर आज 12 फरवरी को ग्रामीणों द्वारा चक्काजाम किया जाएगा,सूरजपुर कलेक्टर को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत कल्याणपुर में स्कूल मद में दर्ज रही 1.63 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर निजी मकान निर्माण किया गया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेखित है कि यदि 12 फरवरी तक निर्माण पर रोक और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामसभा के बाद दोपहर 2 बजे से बस स्टैंड चौक कल्याणपुर में प्रतापपुर रोड पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम किया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार प.ह.नं. 16 अंतर्गत खसरा नंबर 2384, 2385, 2386 की कुल 1.63 हेक्टेयर भूमि पूर्व में स्कूल मद में दर्ज थी। बाद में यह भूमि त्रुटिवश आबादी मद में दर्ज हो गई। ग्रामीणों का दावा है कि यह भूमि शासकीय प्रयोजन के लिए वन अधिकार पत्र के माध्यम से ग्राम पंचायत को आबंटित है, इसलिए इस पर निजी स्वामित्व का दावा निराधार है। इसी बीच गांव के निवासी मनोहर जायसवाल पर आरोप है कि वे उक्त भूमि को अपनी निजी संपत्ति बताते हुए बड़े पैमाने पर कॉलम और प्लिंथ डालकर पक्का मकान खड़ा कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभागों क्रमशः राजस्व, पंचायत और वन विभाग को आवेदन देकर स्थिति स्पष्ट करने और निर्माण रुकवाने की मांग की। हर बार मौका जांच कराएंगे का आश्वासन मिला, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखी।प्रशासनिक उदासीनता से नाराज ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत कल्याणपुर में 12 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेष ग्रामसभा बुलाने की घोषणा की गई है। माना जा रहा है कि इस ग्रामसभा में राजस्व रिकॉर्ड, वन अधिकार पत्र और जमीन के उपयोग पर विस्तार से चर्चा होगी। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्रामसभा के बाद दोपहर 2 बजे से बस स्टैंड कल्याणपुर में प्रतापपुर मार्ग पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम किये जाने की खबर है

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

रामानुजगंज। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके विचारों का स्मरण किया। कार्यक्रम के संयोजक व जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि एकात्म मानववाद के माध्यम से उन्होंने व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को एक अविभाज्य इकाई के रूप में देखने की समग्र दृष्टि दी। उनका मानना था कि विकास केवल आर्थिक उन्नति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक संतुलन के साथ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अवसर और सम्मान पहुंचाना है। भाजपा नेता कृष्ण गुप्ता ने कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरित होकर हम विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु निरंतर अग्रसर हैं, जहां सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास राष्ट्र निर्माण का आधार बने। संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन भानु प्रकाश दीक्षित ने किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता बंसीधर गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, पार्षद गौतम सिंह, राकेश सिंह, योगेश गुप्ता आदि शामिल रहे।

खेतों तक पानी नहीं पहुंचने से मुरझा रही फसल

दलको बांध की नहर धंसी, तीन गांवों की खेती संकट में

हरिभूमि न्यूज. रामानुजगंज

प्रदेश सरकार हरित क्रांति लाने के लिए जगह जगह पर बांध व जलाशय निर्माण कर किसानों की पानी की समस्या को दूर करने के लिए प्रयासरत है। जल संरक्षण के उद्देश्य पानी को संग्रहित कर बांध से नहर के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी उपलब्ध कराना है। बांध से किसानों को हर समय आवश्यकता के अनुरूप फसलों की सिंचाई हेतु नहर से पानी मिल सके जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सक। इसी उद्देश्य से कुछ सालों पूर्व दलको बांध का निर्माण कराया गया और नहर के माध्यम से तीन गांव के लोगों को सिंचाई के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो गई। लेकिन नहर की मरम्मत नहीं होने से अब दलका बांध की नहर ध्वस हो गई। आलम यह है कि बांध में पानी तो है लेकिन नहर व खेत सूखा है।

- किसानों को झेलनी पड़ रही दोहरी मार
- किसानों के मुताबिक कमजोर हो गई थी नहर

रामानुजगंज क्षेत्र में दलको बांध से निकली सिंचाई नहर के क्षतिग्रस्त होने से किसानों पर दोहरी मार पड़ गई है। नगरा, भवरमाल और धनपुरी गांवों के सैकड़ों किसान इस समय गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। खेतों तक पानी नहीं पहुंचने के कारण फसल मुरझाने लगे हैं और मेहनत की पूरी पूंजी डूबने का खतरा मंडरा रहा है। किसानों का कहना है कि बांध से खेतो तक पानी पहुंचे इसके लिए लाखों की लागत से लंबी नहर बनाई गई। बांध से तीन ग्राम पंचायत नगरा, भवरमाल व धनपुरी के सैकड़ो किसान की कई एकड़ भूमि पर सिंचाई किया जाता था। बांध का पानी नहर के आखरी छोर गांव तक पहुचता था परंतु विभाग द्वारा समय समय पर नहर की मरम्मत नहीं कराने से नहर की हालत दयनीय हो गई। आलम यह है कि नहर की मरम्मत नहीं होने से नहर ध्वस हो गई जो अब सिर्फ सो पीस बन कर रह गई है। किसानों द्वारा नहर सुधार कार्य की कई बार मांग की गई परंतु विभाग के अधिकारियों व जिला प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया जिससे क्षेत्र के किसान खेती किसानी को लेकर चिंतित है। विडंबना यह है कि दलको बांध में पानी की कोई कमी नहीं है, फिर भी किसान सिंचाई से वंचित हैं। नहर टूटने के चलते पानी खेतों तक पहुंचने की बजाय सीधे कनहर नदी में बहकर व्यर्थ जा रहा है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते स्थायी सुधार नहीं हुआ तो फसल पूरी तरह बर्बाद हो सकती है।

प्रशासन को कई दे चुके है सूचना

ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और जल संसाधन विभाग को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसान राकेश गुप्ता ने बताया कि सिंचाई के अभाव में फसलें सूखने लगे हैं। खेत तैयार करने, बीज और खाद पर खर्च की गई रकम डूबने की आशंका है, लेकिन विभागीय स्तर पर अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं।

बार बार टूट जाती है नहर

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार दलको बांध के एक्वाडक्ट के नीचे से गुजरने वाली यह नहर तकनीकी रूप से कमजोर हो चुकी है और बार-बार टूट जाती है। हालात ऐसे हैं कि किसान खुद आपस में चंदा जुटाकर अस्थायी मरम्मत कराते रहे हैं, ताकि किसी तरह खेतों तक पानी पहुंच सके। बावजूद इसके, हर बार कुछ ही दिनों में नहर फिर जवाब दे देती है।

जल्द कराई जाएगी मरम्मत

नहर के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है। जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा जिससे किसानों को सिंचाई सुविधा बहाल की जा सके।

सुजीत कुमार,
एसडीओ जल संसाधन विभाग

एनएच पर निर्माण के दौरान नहीं लगाए गए साइन बोर्ड, उड़ती धूल से लोगों का बुरा हाल

राजपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 343 के धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी से नागरिकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में लापरवाही और समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा 16 फरवरी को चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सांकेतिक चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीरज तिवारी ने के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।

- धीमी गति से कार्य के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस करेगा सांकेतिक चक्का जाम

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नीरज तिवारी ने बताया कि विगत चार माह से अंबिकापुर से पस्ता तक राष्ट्रीय राजमार्ग का नवनिर्माण कार्य ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है। निर्माण के नाम पर जगह-जगह सड़क की खुदाई कर दी गई है किंतु मार्ग परिवर्तन की कोई स्पष्ट सूचना नहीं दी गई है। पुलिया निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढों के पास न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही किसी प्रकार का सुरक्षा घेराव किया गया है। इससे आमजन एवं वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। सड़क पर लगातार उड़ रही धूल के कारण दोपहिया, चार-पहिया तथा भारी वाहनों के चालक परेशान हैं और छोटे-बड़े हादसों की घटनाएं सामने आ रही हैं। धूल के कारण आसपास निवासरत लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा व्यापारियों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। आरोप है कि पानी छिड़काव के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है। नगर पंचायत क्षेत्र राजपुर में नाली निर्माण के लिए सड़क के दोनों किनारों को खोदकर मिट्टी के ढेर छोड़ दिए गए हैं, जिससे जाम और दुर्घटना की स्थिति लगातार बन रही है। नीरज तिवारी ने कहा कि पूर्व में भी प्रशासन से निर्माण कार्य में तेजी लाने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की गई थी किंतु अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर 16 फरवरी को दोपहर 12 बजे नवकी मोड़ राजपुर में सांकेतिक चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है। उन्होंने बताया कि सड़क एवं नाली निर्माण के कारण शहर में आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दिन पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह से थाना के सामने खादी भंडार तक वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग से यातायात बाधित होता है। उन्होंने मांग की है कि साप्ताहिक बाजार के दिन मुख्य सड़क से महामाया मंदिर प्रवेश मार्ग तक लगने वाली दुकानों को बाजार परिसर के भीतर व्यवस्थित कराया जाए तथा सहकारी समिति कार्यालय के पास वाहन पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नेशनल हाईवे में तेज रफ्तार बाइक कार के बीच हुई जोरदार टक्कर

सीतापुर। नेशनल हाईवे क्र-43 में शाम 6 से 7 बजे के बीच तेज रफ्तार बाइक एवं कार की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में बाइक दो टुकड़ों में बट गया और उसमें आग लग गई। इस दौरान बाइक में तीन युवक सवार थे जो दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कार में सवार लोगों को भी चोट लगी है। इस घटना के बाद लोगो ने बाइक में लगी आग को बुझाया और 112 के सहयोग से तीनों घायलों को हॉस्पिटल भिजवाया।

- भिड़ंत के बाद दो टुकड़ों में बटी बाइक में लगी आग,

उक्त घटना नेशनल हाइवे क्र-43 पर ग्राम चलता में यात्री प्रतीक्षालय के पास शाम 6 से 7 बजे के बीच की है।सीतापुर से पत्थलगांव की ओर जा रही कार क्रमांक सीजी 13 एएच 7399 जैसे ही ग्राम चलता से खड़गांव जाने वाली मार्ग की ओर मुड़ी तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर कार से जा भिड़ी।तेज रफ्तार बाइक और कार के बीच हुई भिड़ंत इतनी जबर्दस्त थी बाइक दो टुकड़ो में बट गया और उसमें आग लग गई वही कार का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।दुर्घटना के दौरान बाइक में कपिल बड़ा आ विलियम बड़ा 19 वर्ष निवासी कतकलो, आकाश मिंज आ चंद्रिका मिंज 22 वर्ष निवासी जामपारा एवं नागेंद्र कुजूर आ रामविलास 20 वर्ष निवासी जामडीह सवार थे जो कार से टकराने के बाद सड़क पर जा गिरे।

पीजी कॉलेज की अव्यवस्थाओं को लेकर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज. अम्बिकापुर

पीजी कॉलेज की अव्यवस्थाओं को लेकर आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य को अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

सौंपे गए ज्ञापन में संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने बताया कि कॉलेज में ड्रेस कोड और पहचान पत्र की अनिवार्यता न होने की वजह से यहां बाहरी असामाजिक तत्वों का आना-जाना बढ़ गया है।

इससे आम छात्र-छात्राएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। संघ ने कॉलेज गेट पर जांच सख्त करने तथा हर आगंतुक का रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज करने की बात कही। इसके अलावा पांचवी सेमेस्टर के परिणाम अब तक घोषित नहीं हुए हैं। इस देरी के कारण छात्रों का एक कीमती साल बर्बाद होने की कगार पर है और आगे पीजी में दाखिला नहीं ले पा रहे हैं। संघ ने कॉलेज पोर्टल पर फॉर्म भरने के नाम पर लिए जा रहे अतिरिक्त शुल्क को अवैध वसूली करार दिया। छात्रों का कहना है कि एक तरफ तो कॉलेज भारी-भरकम फीस वसूलता है वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे चार्ज लगाकर छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। साथ ही जिन छात्रों ने आईडी कार्ड के पैसे जमा कर दिए हैं, उन्हें महीनों बाद भी कार्ड नहीं मिलना कॉलेज की सुस्त कार्यप्रणाली को दर्शाता है। संघ ने मांगों के निराकरण करने की मांग की है मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान विकास, विवेक, सक्षम, अभिजीत, प्रिंस, विनय, अभय, सोनू, भोलू सहित अन्य मौजूद रहे।

जेसीबी मशीन से टकराकर बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल

बिश्रामपुर। एनएच 43 समीप जयनगर थाना से महज कुछ ही दुरी पर जेसीबी मशीन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं,गौरतलब है कि जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम वीरपुर निवासी 26 वर्षीय छत्रपाल राजवाड़े पिता गोपाल राम व 28 वर्षीय सुरेश प्रजापति पिता अमृत प्रजापति बुधवार की दोपहर बाइक में बिश्रामपुर की तरफ जा रहे थे,इसी दरम्यान जयनगर थाना से महज कुछ दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर कुंजनगर मोड़ के पास जेसीबी चालक की लापरवाही से बाइक सवार दोनों युवक दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं,सूचना पर जयनगर पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर उपचार हेतु भिजवाया गया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की गई जान

अम्बिकापुर। शादी कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे बाइक सवार को विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप के चालक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर हुए बाइक सवार मौत हो गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी बसदेई अंतर्गत ग्राम ऊंचडीह निवासी शिव शंकर आ. शादेव (25 वर्ष) 7 फरवरी को बाइक क्रमांक सीजी 15 सीएफ 0594 से शादी में शामिल होने गया था। शादी में शामिल होने के पश्चात बाइक से घर आने लगा और जैसे ही ग्राम चंदनपुर मुख्य मार्ग ढाबा के समीप पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप क्रमांक सीज 29 एसी 9040 का चालक लापरवाही पूर्वक चलाते हुए

टक्कर मार दी जिससे बाइक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सूरजपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। परिजन की रिपोर्ट पर पुलिस ने पिकअप चालक के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है।

कलेक्टर ने राइस मिलरों ली बैठक, आवश्यक निर्देश

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन ने आज जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के समस्त राइस मिलरों की बैठक ली। बैठक में धान मिलिंग की प्रगति, एफआरके राइस उत्पादन, धान उठाव तथा पीडीएस दुकानों में चावल की नियमित आपूर्ति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर ने सभी राइस मिलरों से कहा कि वे अपनी निर्धारित क्षमता के अनुसार धान मिलिंग कार्य में तेजी लाएं तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने एफआरके राइस उत्पादन पर विशेष जोर देते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में डीएमओ, मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा पीडीएस दुकानों में चावल की उपलब्धता नियमित बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान उठाव की स्थिति की समीक्षा करते हुए समय-सीमा के भीतर लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही।

मनरेगा बचाने की मांग को लेकर सत्य नगर से भैयाथान तक निकाला गया पैदल मार्च

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर करना गंभीर चिंता का विषय- सिंहदेव

हरिभूमि न्यूज. भैयाथान

मनरेगा योजना को सुरक्षित और सुदृढ़ बनाए रखने की मांग को लेकर ग्राम पंचायत सत्य नगर से भैयाथान मुख्यालय तक विशाल पैदल मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा में हिस्सा लिया। भैयाथान पहुंचकर एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीण गरीबों के हितों की रक्षा और मनरेगा के प्रावधानों को मजबूत बनाए रखने की मांग की गई।

पदयात्रा का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान की अध्यक्ष विद्यात्रि सिंह देव तथा जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह देव ने किया। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और कमजोर वर्ग के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन इसके प्रावधानों में कटौती और प्रक्रियाओं को जटिल बनाकर लगातार इसकी प्रभावशीलता कम की जा रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार की गारंटी देने वाली योजना को कमजोर करना ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। पदयात्रा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जेपी श्रीवास्तव, पूर्व सांसद खेल साय सिंह, पूर्व विधायक प्रेम साय सिंह, पारसनाथ राजवाड़े, पूर्व जिला अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, प्रदीप राजवाड़े, मनोज डालमिया, जफर हैदर, दीप्ति स्वाई, आनंद कुंवर, रामकृष्ण ओझा, राजेंद्र प्रताप सिंह देव, योगेंद्र सिंह देव, रामचंद्र यादव, कौशलेंद्र सिंह, राजू गुप्ता, नूर आलम, शांतनु सिंह, आशीष सिंह, राहुल सिंह, विक्की दुबे, बजरंगी सिंह, रितेश सिंह, सुलोचनी पैकरा, दुर्गा सारथी, शशिलता सिंह, इंद्रावती राजवाड़े, दीपमाला टंडन सहित जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक पदाधिकारी, महिला कांग्रेस सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

श्री नवयुवक दुर्गा मंडल परिवार ने दी श्रद्धांजलि

सूरजपुर। नगर के गणमान्य एवं माता के भक्त स्वर्गीय राजेंद्र बंसल एवं स्वर्गीय रामस्वरूप गुप्ता के आकस्मिक निधन पर श्री नवयुवक दुर्गा मंडल परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंडल प्रमुख मदन लाल गोयल ने बताया कि दोनों माता के असीम भक्त थे एवं समाज सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहने वाले व्यक्ति थे। आज दोनों हमारे बीच नहीं रहे। मृत आत्माओं के लिए माता से अरदास करते हैं कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं दुखी परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

स्पेशल: वर्ल्ड रेडियो-डे

ज्ञान-विज्ञान-मनोरंजन का खजाना

रेडियो का सफर है बहुत सुहाना

बच्चो, एक समय था, जब घर-घर में लोग रेडियो सुनते थे। रेडियो के माध्यम से देश-विदेश के समाचार मिलते थे। ज्ञान-विज्ञान का खजाना होता था रेडियो। मनोरंजन का एक बहुत बड़ा साधन था रेडियो। आज भी लोग रेडियो सुनते हैं, इसका अपना एक अलग महत्व है। रेडियो की शुरुआत कैसे हुई, तुम्हारे लिए इससे जुड़ी कुछ जानकारियां।

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, तुमने घर में अपने दादा जी को बड़े ध्यान से रेडियो सुनते देखा होगा। यही नहीं तुम भी कार या कैब में एफएम रेडियो पर सुरीले गीत और मनोरंजक कार्यक्रम सुनते होगे। तुम्हारे मन में कभी-कभी यह सवाल आता होगा, रेडियो की शुरुआत कैसे और कब हुई? यह कैसे इतना लोकप्रिय हो गया? आज विश्व रेडियो दिवस (13 फरवरी) के अवसर पर जानो, रेडियो से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

संचार का सशक्त माध्यम: बच्चो, रेडियो सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा दोस्त है, जो बिना चेहरा दिखाए हमें दुनिया से जोड़े रखता है। हर साल 13 फरवरी को दुनिया भर में विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है, ताकि संचार के इस पुराने सशक्त माध्यम के महत्व को समझा और सराहा जा सके।

स्वतंत्रता आंदोलन का साथी रेडियो: बच्चो, भारत की आजादी की लड़ाई में रेडियो का बड़ा योगदान रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान रेडियो ने स्वतंत्रता सेनानियों के संदेश प्रसारित कर आम नागरिकों को जागरूक किया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उषा मेहता के 'कांग्रेस रेडियो' और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजाद हिंद रेडियो' जैसे प्रयासों ने जन-जागरण में अहम भूमिका निभाई थी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जर्मनी से और बाद में सिंगापुर/रंगून से रेडियो के जरिए ही देशवासियों को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित किया, साथ ही स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी। रेडियो ने गांवों तक आजादी के संघर्ष की खबरें पहुंचाईं, जिससे देश भर में एकजुटता बढ़ी। बच्चो, जरा सोचो रेडियो बिना लाखों लोगों तक हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की आवाज भला कैसे पहुंचती?

ज्ञान के प्रसार में सहायक: आजादी के बाद रेडियो ने साक्षरता, स्वास्थ्य, जागरूकता और कृषि ज्ञान के प्रसार में बड़ी भूमिका निभाई। यह दूर-दराज के गांवों, पहाड़ी इलाकों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में भी स्थानीय भाषाओं में समाचार और मनोरंजन प्रसारित करने वाला सबसे प्रभावी माध्यम बना। स्वतंत्रता की घोषणा से लेकर, महात्मा गांधी, पंडित नेहरू के भाषण और ऐतिहासिक पलों की कमेंट्री रेडियो ने ही घर-घर में पहुंचाई।

संकटमोचन की भूमिका में रेडियो: बच्चो, प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात आदि के समय जब अन्य संचार साधन ठप हो जाते हैं, तब रेडियो ही दूर-दराज में रहने वाले देशवासियों को जरूरी सूचनाएं देता है। वर्तमान समय में आकाशवाणी और एफएम चैनलों के माध्यम से प्रधानमंत्री की 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों के जरिए रेडियो देश के हर तबके तक जुड़ा हुआ है।

रेडियो के विकास में भारत का योगदान: वैसे तो पहला व्यावहारिक रेडियो 1895 में गुग्लिएल्मो मार्कोनी द्वारा बनाया गया था, लेकिन भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने 1895 में बिना तार के सिग्नल भेजने का प्रदर्शन कर दिया था। भारत में पहला रेडियो प्रसारण जून 1923 में बॉम्बे रेडियो क्लब द्वारा किया गया था। अपने देश का ऑल इंडिया रेडियो 99 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंच के साथ दुनिया के सबसे बड़े प्रसारकों में से एक है।

जगदीश चंद्र बसु

जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक रेडियो: बच्चो, रेडियो तरंगें अंतहीन होती हैं। यदि इन्हें कोई अवशोषित नहीं करता है तो ये अनंत काल तक यात्रा कर सकती हैं। रेडियो बिजली के बिना भी काम करता है। पुराने ट्रांजिस्टर (रेडियो) बैटरी या सेल से चलते थे। रेडियो तरंगें न केवल ध्वनि, बल्कि खगोलीय पिंडों (ग्रहों, तारों) से भी उत्सर्जित होती हैं, जिनका अध्ययन रेडियो टेलीस्कोप से किया जाता है।

भारत में आकाशवाणी: ऑल इंडिया रेडियो को 1957 में आधिकारिक तौर पर 'आकाशवाणी' का नाम दिया गया। 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को नेहरू जी का भाषण ऑल इंडिया रेडियो से ही प्रसारित हुआ था। मां दुर्गा की लोकप्रिय 'महिषासुर मर्दिनी' (महालया) भारत के सबसे पुराने रेडियो कार्यक्रमों में से एक है, जो 1931 से प्रसारित हो रहा है। *

कुछ रोचक तथ्य

दुनिया का पहला रेडियो स्टेशन: बच्चो, दुनिया का पहला व्यावसायिक रेडियो स्टेशन 1920 में अमेरिका में शुरू हुआ था, जबकि भारत में बड़े स्तर पर रेडियो प्रसारण 23 जुलाई 1927 को मुंबई से शुरू हुआ था।

पहली सिग्नेचर धुन: ऑल इंडिया रेडियो की मशहूर धुन किसी भारतीय ने नहीं बल्कि एक यहूदी शरणार्थी वाल्टर कॉफमैन ने बनाई थी, जो आज भी ऑल इंडिया रेडियो की पहचान है।

रेडियो सुनने के लिए लाइसेंस: आज लोग भले ही कभी भी कहीं भी रेडियो सुन सकते हैं, लेकिन 1920 के दशक में भारत में रेडियो सुनने के लिए बाकायदा लाइसेंस लेना पड़ता था। 1927 में अपने देश में रेडियो लाइसेंस धारकों की संख्या मात्र 3,594 थी।

बहुत अनोखी झील है ब्लैक सी

बच्चो, दक्षिण-पूर्व यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित ब्लैक सी, कई मायने में सामान्य झीलों से अलग है। ब्लैक सी के निर्माण और इसकी कुछ विशेषताओं के बारे में तुम भी जानो।

यह भी जानो
नयनतारा

बच्चो, ब्लैक सी यानी काला सागर, वास्तव में कोई समुद्र नहीं बल्कि एक विशाल झील है। यह चारों तरफ से जमीन से घिरी हुई है। यह दक्षिण पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित है। ब्लैक सी के तट छह देशों की सीमाओं को स्पर्श करते हैं। ये देश हैं- यूक्रेन, रूस, जॉर्जिया, तुर्की, बुल्गारिया और रोमानिया।

संसार का सबसे बड़ा मेरोमिक्टिक बेसिन: भौतिक दृष्टि से ब्लैक सी संसार का सबसे बड़ा मेरोमिक्टिक बेसिन है। 'मेरोमिक्टिक' का अर्थ यह है कि इसका गहरा पानी अनॉक्सिक है यानी उसमें ऑक्सीजन का अभाव है। इस कारण उसका गहरा पानी, ऊपरी परत के ऑक्सीजन युक्त पानी में मिश्रित नहीं होता है। पानी में ऑक्सीजन न होने की वजह से यह 'डेड जोन' बन जाता है, जिसमें 150 मीटर के नीचे कोई समुद्री जंतु या पौधा जीवित नहीं रह पाता है।

इसलिए कहते हैं ब्लैक सी: बच्चो, तुम्हारे मन में सवाल उठता होगा कि इस झील को 'ब्लैक सी' क्यों कहते हैं? दरअसल, अधिक ठंड के मौसम में ब्लैक सी में तेज तूफान उठता है, जिससे यह काले रंग के खतरनाक जल प्रवाह के रूप में दिखता है, इसीलिए इस झील को 'ब्लैक सी' नाम से जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, प्राचीन समय में तुर्की देश के नाविक उत्तर दिशा (जहां यह सागर स्थित है) को अपने कलर-कोडेड दिशा सूचक व्यवस्था में 'ब्लैक' कलर से प्रदर्शित करते थे, इसलिए भी इसे 'ब्लैक सी' कहा जाता है।

ऐसे हुआ ब्लैक सी का निर्माण: भू-वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्लैक सी लगभग 7,500 साल पहले बनी, जब मेडिटेरेनियन यानी भूमध्य सागर में जबर्दस्त उफान आया और उसका विशाल जल प्रवाह बोस्फोरस स्ट्रेट (तुर्की के इस्तांबुल शहर में स्थित एक स्थल) को पार कर एक ताजा पानी की झील में पहुंच गया। इस प्रकार इस अनोखी झील, ब्लैक सी का निर्माण हुआ। *

ब्लैक सी से जुड़े कुछ अन्य तथ्य

ब्लैक सी के गहरे पानी में चूंकि ऑक्सीजन नहीं है इसलिए उसमें मौजूद कोई भी लकड़ी हजारों साल तक गलती नहीं है। यही वजह है कि करीब 2,000 साल पहले इसमें डूबे पानी के जहाजों की लकड़ियां आज भी मौजूद हैं। इस सागर में लहरें नहीं उठती हैं, पानी किसी झील या तालाब की तरह शांत रहता है। नीचे का खारा पानी और ऊपर का ताजा पानी आपस में मिलते नहीं हैं। ऐसा लगता है जैसे दो अलग सागर एक-दूसरे के करीब हों।

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

दांत बन गए नेल कटर

अटर-पटर चटर-पटर,
गेहूं, चावल, दाल, मटर,
फल, मेवे, गुड़ और शक्कर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
झटपट ये बिल के अंदर,
चटपट आ जाते बाहर।
रोटी, बिस्कुट, ब्रेड, बटर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
खाते प्लास्टिक की चेयर,
नरम पुराने फर्नीचर,
प्लास्टिक के पाइप, वायर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
तकिया, गद्दे और चादर,
कोट, शर्ट, ऊनी स्वेटर,
काट रहे पेपर-वेपर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
बड़े चटोरे, बड़े जबर,
मूंगफली, अखरोट कुतर,
दांत बन गए नेल कटर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।

बूझो तो जानें

1 गुजर सके हर एक वस्तु से
पर नजरों से गुम,
कहो कौन-सी किरणें हैं ये
जल्दी बूझो तुम।

2 एक मशीन इलेक्ट्रॉनिक है
बिजली से है चलता,
चित्र खींचता, खेल खिलाता
गणनाएं भी करता।।

3 चाहे हों ये दाएं-बाएं
अथवा ऊपर-नीचे,
लोहे की चीजों को झटपट
पलक झपकते खींचे।।

-डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर : 1.एक्स-रे, 2.कंप्यूटर, 3.चुंबक

जीके क्विज-192

1. भारतीय टीम ने किस देश की टीम को हराकर अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता?
2. 'हैरी पॉटर' किसकी रचना है?
3. भारत के वर्तमान रेलमंत्री कौन हैं?
4. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी?
5. मानव शरीर की सबसे छोटी अस्थि (बोन) का नाम क्या है?
6. गुरुत्वाकर्षण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
7. भारत के पहले फील्ड मार्शल कौन थे?
8. सौरमंडल के किस ग्रह को 'लाल ग्रह' भी कहा जाता है?
9. नमक का रासायनिक नाम क्या है?
10. हाइड्रोजन की खोज किसने की थी?

बच्चो, जीके क्विज-192 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-191 का उत्तर: 1.निर्मला सीतारमण, 2.कलिंगा लांसर्स, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.पीवी सिंधु, 5.साइरस, 6.अजमेर और दिल्ली, 7.आर.के. षणमुखम चेट्टी, 8.बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, 9. प्लेटिनम, 10.ओडिशा

जीके क्विज-191 का सही उत्तर देने वाले: सतीश-रायपुर, आरसी-कोरबा, आदित्य-मुंगेली, श्रेया-गैसाबाद, कबीर-हिसार, विशाल-रोहतक, राजेश-रायपुर, पंकज-बिलासपुर, पल्लवी-बलौदा बाजार, हर्षित-महासमुंद, चंदन-रायगढ़

कहानी
हरीश कुमार अमित

परीक्षाएं क्या पास आईं, शशांक खेलना-कूदना बंद करके दिन-रात पढ़ाई में जुट गया। उसके दादा जी को इस तरह हमेशा पढ़ाई करते रहना सही नहीं लगा। एक दिन दादा जी ने शशांक को जो बातें समझाईं, अच्छे नंबर लाने के लिए, वे बातें हर बच्चे को जाननी चाहिए, तुम भी जानो।

परीक्षा का तनाव

परीक्षा करीब आने से शशांक बड़े तनाव में था। कुछ दिनों बाद ही उसकी वार्षिक परीक्षाएं, जो शुरू होने वाली थीं। परीक्षा की तैयारी के लिए उसके स्कूल में छुट्टियां घोषित कर दी गई थीं। शशांक पढ़ने में होशियार था। हमेशा अच्छे अंक लाता था। उसके तनाव का कारण यह डर था कि कहीं इस बार उसके अंक कम न आ जाएं। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए वह सारा दिन पढ़ाई करता रहता। ज्यादा पढ़ाई करने के लिए उसने अपनी नींद भी कुछ कम कर दी थी।

एक दिन दोपहर के समय शशांक पढ़ाई कर रहा था कि तभी उसके होम टाउन से दादा जी आ गए। साल में एक-दो बार वह कुछ दिनों के लिए शशांक के पास जरूर आ जाया करते हैं। दादा जी का साथ उसे बहुत भाता है। उनसे शशांक का दोस्त जैसा रिश्ता है।

शाम को दादा जी पार्क में सैर करने के लिए जाने लगे तो उन्होंने शशांक से पूछा, 'बेटा, क्या आज तुम्हें अपने दोस्तों के साथ खेलने नहीं जाना?'

'नहीं दादा जी, मुझे परीक्षा की तैयारी करनी है न, इसलिए इन दिनों शाम को दोस्तों के साथ खेलने के लिए नहीं जा रहा हूं।'

दादा जी सैर करके वापस आए, तो उन्होंने देखा कि शशांक अब भी अपनी किताब लिए बैठा है। यह देखकर उन्होंने हैरानी से पूछा, 'अरे बेटा, क्या बात है? तुम शाम को टीवी नहीं देख रहे? तुम तो शाम को टीवी देखा करते थे।'

'दादा जी, परीक्षाएं आने वाली हैं न, इसलिए इन दिनों टीवी देखना भी बंद है।' शशांक का जवाब सुनकर दादा जी चुप रहे, कुछ बोले नहीं। रात का खाना खाने के बाद दादा जी घर में ही थोड़ी देर टहलते जरूर हैं। उन्होंने शशांक को भी अपने साथ टहलने के लिए कहा, लेकिन उसने यह कहते हुए टहलने से मना कर दिया कि पढ़ाई करनी है, परीक्षाएं करीब हैं।

दादा जी हमेशा शशांक के कमरे में ही सोते हैं। रात को शशांक काफी देर बिस्तर पर ही बैठकर पढ़ाई करता रहा और फिर पढ़ते-पढ़ते ही सो गया। आधी रात को जब दादा जी की नींद खुली तो उन्होंने उठकर ट्यूबलाइट बंद की।

शशांक ने सुबह पांच बजे उठकर पढ़ने के लिए अलार्म लगाया हुआ था। सुबह जब अलार्म बजा तो वह बड़ी मुश्किल से उठ पाया। उसकी आंखों में नींद भरी थी। रात को देर से सोने के कारण वह ठीक तरह से पढ़ नहीं पा रहा था। बीच-बीच में उसे झपकी आ जाती।

छह बजे सैर करने जाते समय दादा जी ने शशांक से कहा कि वह भी थोड़ी देर सैर करने चले, लेकिन वह बोला, 'दादा जी, अब मुझे नींद आ रही है। मैं थोड़ी देर सोऊंगा।' दादा जी सैर करके घर वापस आए तब भी शशांक सो रहा था। वह तभी उठा जब मम्मी ने उससे कहा कि वह नाश्ता बनाने जा रही हैं, अब वह उठ जाए।

नाश्ता करने के बाद दादा जी ने शशांक को अपने पास बुलाया और बोले, 'बेटा, तुम परीक्षा की तैयारी के लिए मेहनत तो बहुत कर रहे हो, लेकिन अगर तुम कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो इससे तुम्हें दो फायदे होंगे। एक तो तुम्हारी तैयारी और बढ़िया होगी और दूसरा, तुम्हें जो यह परीक्षा का डर सता रहा है, वह भी कम हो जाएगा।'

शशांक बड़े ध्यान से दादा जी की बात सुन रहा था। दादा जी आगे बोले, 'देखो बेटा, एक तो सारा दिन किताबें लेकर बैठने की बजाय बीच-बीच में थोड़ा ब्रेक ले लिया करो। थोड़ी देर दोस्तों के साथ खेलो, थोड़ी देर टीवी देखो, थोड़ी देर घर के लोगों से बातचीत करो। इसके अलावा इन दिनों अपनी नींद में भी कमी करने की जरूरत बिल्कुल नहीं है। पूरी नींद लो।'

'जी, दादा जी।' शशांक ने हामी भरी। 'इन बातों का ध्यान रखोगे तो इससे तुम्हारा दिमाग तरोताजा रहेगा, याद भी अच्छी तरह होगा और परीक्षा की ओर अच्छी तैयारी कर पाओगे। परीक्षा का डर भी तुम्हें कम लगेगा।' दादा जी ने शशांक को समझाया।

'मैं समझ गया, दादा जी।' शशांक कहने लगा। दादा जी की इन बातों का पालन शशांक ने उसी दिन से करना शुरू कर दिया। परीक्षाओं से लगने वाला उसका डर-तनाव कम हो गया था। अब वह शांत मन से और अच्छी तरह पढ़ाई कर पा रहा था।

कुछ दिनों बाद जब उसका परीक्षा परिणाम आया, तो उसके अंक उसकी उम्मीद से बहुत ज्यादा अच्छे थे। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदारी सिखाती प्यारी कहानियां

बच्चो, अभी कुछ समय पहले ही एक बालकथा संग्रह 'दिन में सौ चांद' छपकर आया है। इसमें कुल पंद्रह कहानियां हैं। इनमें से अधिकतर कहानियों के पात्र पशु-पक्षी हैं। इन कहानियों को पढ़कर तुम्हारा मनोरंजन तो होगा ही, इनसे तुम्हारे भीतर समझदारी भी विकसित होगी।

'दिन में सौ चांद' कहानी में तुम पढ़ोगे कि किस तरह चतुर खरगोश, शेर को दिन में सौ चांद दिखाकर अपनी बात सही साबित कर देता है। सोनू, मोनू बकरियों और जंगू भेड़िए की कहानी 'सोनू की चालाकी' पढ़कर तुम सीख सकते हो कि अगर मुसीबत में भी धीरज और बुद्धि से काम लिया जाए तो मुसीबत से पार पाया जा सकता है। कुछ पक्षियों और एक सांप की कहानी 'हम अच्छे बने रहेंगे' यह सिखाती है कि अगर कोई हमारे साथ अच्छा व्यवहार न करे तो भी हमें अपना व्यवहार अच्छा ही रखना चाहिए। हमारा रूप-रंग कितना भी अच्छा क्यों न हो अगर हम परिश्रम नहीं करेंगे तो हमारा सम्मान नहीं होगा, यह सीख 'मेहनत का सम्मान' कहानी देती है। एक मछली और एक चिड़िया की दोस्ती की प्यारी सी कहानी है 'सोनचिड़ी और सोन मछली', जिसमें तुम पढ़ोगे कि सच्चा दोस्त वही होता है, जो मुसीबत में अपने दोस्त का साथ नहीं छोड़ता। इसी तरह 'सवाल का बवाल' कहानी पढ़कर तुम अपनी हंसी नहीं रोक पाओगे। कई रंगों की कहानियों से सजी यह किताब तुमको जरूर पसंद आएगी। *

किताब: दिन में सौ चांद (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद शर्मा, **मूल्य:** 175 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्यागार, जयपुर

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पपी हाउस के बाहर बैठे एक क्यूट से पपी के दो चित्र दिए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम तीन मिनट में सभी पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

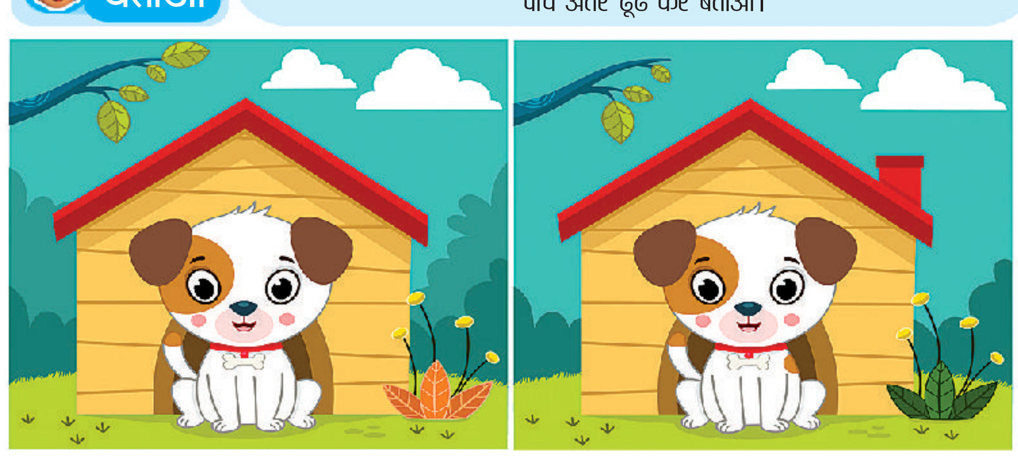

उत्तर: 1.पपी हाउस के ऊपर बाईं तरफ पेड़ की टहनी में एक पत्ती कम है। 2.पीछे बाईं तरफ शेड कम दिख रहा है। 3.पपी के बाएं पैर के ऊपर ब्राउन स्पॉट है। 4.पपी हाउस में ऊपर दाईं तरफ चिमनी बनी हुई है। 5.नीचे दाईं तरफ पत्तियों का रंग अलग है।

रास्ता बताओ

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में हिरण के एक भूखे बच्चे को घास तक पहुंचना है। लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम हिरण के बच्चे को घास तक पहुंचने का सही रास्ता बताओ, ताकि वह घास खाकर अपनी भूख मिटा सके।

खबर संक्षेप

12 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बैकुण्ठपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर के राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6-4 में संशोधित प्रावधानों में निहित प्रावधान अनुसार राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6 (1) के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। अपर कलेक्टर द्वारा प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। इसमें तहसील सोनहत के ग्राम बेलाडं निवासी सुखमन उर्फ सुखमनिया की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस चंद्रभान सिंह, ग्राम तंजरा के निवासी सुनिता की मृत्यु सर्पदंश से होने पर उनके वारिस रामलाल, तहसील पोंडी (बचरा) के ग्राम तोलगा निवासी रघुवंशी की मृत्यु आग में जलने से होने पर उनके वारिस बालकुवंर को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

पशु कल्याण जागरूकता पखवाड़ा में हुए विविध कार्यक्रम

लखनपुर। नगर पंचायत के शासकीय पशु चिकित्सालय में पशुपालन एवं पशु कल्याण पखवाड़ा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें निःशुल्क दवा वितरण, पशु उपचार, कुत्तों में निःशुल्क नसबंदी शल्य क्रिया, कुत्तों में एन्टी रेबीज़ टीकाकरण, थनैला रोग नियंत्रण, खुरपका- मुंहपका रोग पर पशुपालन जागरूकता संगोष्ठी तथा खुरहा- चपका रोग टीकाकरण हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रवि अग्रवाल, राकेश साहू, दिनेश साहू, राकेश अग्रवाल, दिनेश बारी, यतेंद्र पांडेय, मदन राजवाड़े, श्रीमती रजनी पैकरा, विधा सागर चौधरी, डॉ. बीडी साहू अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ. सफदर अली खान सहित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, पीएआईडब्ल्यू व पशु सखी सक्रिय रहे।

पति ने पत्नी की गला घोंटकर कर दी हत्या

सीतापुर। खाना बनाने को लेकर पति पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद गुस्से में आकर पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद आरोपी पति को पुलिस ने हत्या के जुर्म में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार झारखंड के लातेहार निवासी शशिभूषण कुमार विगत आठ महीनों से ग्राम सोनतराई में पत्नी मंजू देवी के साथ किराए के घर में रहता था। शशु भूषण कुमार गांव में किराना दुकानों में चॉकलेट बिस्कुट की सप्लाई का काम करता था। 9 फरवरी की रात वो मैनपाट से अपना काम निपटाकर शाम को थका हारा घर वापस लौटा था। घर में पत्नी द्वारा खाना नहीं बनाने से दुखी पति खाना बनाने जा रहा था तभी उसकी पत्नी उससे विवाद करने लगी। विवाद के दौरान पत्नी ने पति को भद्दी भद्दी गालियां देते गले से मंगलसूत्र निकालकर फेंक दिया और अपने पति के गुप्तांग को कसकर दबोच लिया। दर्द से कराहते पति ने छुड़ाने की काफी कोशिश की पर सफल नही तब उसने गुस्से में आकर गमछे से अपनी पत्नी का गला घोंट कर हत्या कर दी।

सोनहत के मिनी स्टेडियम में शिव महापुराण कथा का आयोजन

सोमवार को शिव पूजा से सातों दिन का फल प्राप्त होता है- त्रिपाठी

भगवान की पूजा में तामसी उंगली का प्रयोग नहीं करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज. सोनहत

विकासखंड मुख्यालय सोनहत के मिनी स्टेडियम में आयोजित शिव महापुराण कथा के चौथे दिन कथा वाचक आचार्य विनयकांत त्रिपाठी ने श्रद्धालुओं को भगवान शिव की उपासना का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा करने से पूरे सप्ताह के समान पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि भगवान की पूजा में तामसी उंगली का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

बेलपत्र को मृग मुद्रा के माध्यम से शिवलिंग पर अर्पित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि शिवलिंग की पूजा हर व्यक्ति कर सकता है और उसका स्पर्श भी कर सकता है, लेकिन स्पर्श करने वाले में शुद्धता होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भगवान का प्रसाद मिले या न मिले, केवल प्रसाद के दर्शन मात्र से भी मनुष्य को पुण्य की प्राप्ति होती है। कथा के माध्यम से उन्होंने सोमवार की पूजा के लाभ और उससे मिलने वाले आध्यात्मिक फल का विस्तार से वर्णन किया। आचार्य ने मातृत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी से भी भारी यदि कुछ है तो वह मां का प्यार है। पुत्र कुपुत्र हो सकता है, लेकिन माता कभी कुमाता नहीं हो सकती। मां ही एक ऐसी है जो अपने पुत्र से कभी असत्य नहीं बोलती। इसके पूर्व तृतीय दिवस पर सती प्राकट्य की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसके माध्यम से शिव पुराण के महत्व का भावपूर्ण संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक व पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी उपस्थित होकर आचार्य विनयकांत त्रिपाठी से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा में काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिभाव से कथा श्रवण किया।

नव निर्मित शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा 15 को

बैकुण्ठपुर। नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 हरापारा में नव निर्मित शिव मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर किया जाएगा। इस संबंध में शिव मंदिर समिति हरापारा बैकुंठपुर के पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार हरापारा बैकुंठपुर में नव निर्मित शिव मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों से चल रहे है। मिली जानकारी के अनुसार 14 फरवरी को सुबह 10 बजे कलश यात्रा नव निर्मित शिव मंदिर परिसर से निकाली जाएगी। इसमें अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं को सम्मिलित होने की अपील की गई है, इसके दूसरे दिन महाशिवरात्रि के अवसर पर विधि-विधान से मंत्रोच्चार के साथ नव निर्मित शिव मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा पूजा-अर्चना के साथ की जाएगी। वहीं 16 फरवरी को मंदिर परिसर में हवन पूर्णाहुति की जाएगी और स्थल पर ही विशाल भंडारा कार्यक्रम आयोजित की जाएगी।

25 वर्षों में बिजली नेटवर्क का हुआ विस्तार

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़

छग स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अंतर्गत अंबिकापुर क्षेत्र में आने वाले मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पिछले 25 वर्षों के दौरान विद्युत अधोसंरचना एवं उपभोक्ता सेवाओं में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज किया गया है। वर्ष 2000 में अविभाजित कोरिया जिले का हिस्सा रहे इस क्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्रफल 6228 वर्ग किमी था, जो वर्ष 2022 में अलग जिला बनने के बाद 4227 वर्ग किमी रह गया। इसकेबावजूद विद्युत सुविधाओं का तीव्र विस्तार किया गया है।

आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या 21,209 से बढ़कर 57,549 हो गई है, जो लगभग 200 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है। उच्च दाब उपभोक्ता 15 से बढ़कर 37 तथा निम्न दाब उपभोक्ता 9,505 से बढ़कर 57,549 तक पहुंच गए हैं। बीपीएल कनेक्शन 3,562 से बढ़कर 22,679 और घरेलू उपभोक्ता 7,999 से बढ़कर 27,213 हो गए हैं। वहीं सिंचाई पंप उपभोक्ताओं की संख्या 128 से बढ़कर 1,159 तक पहुंच गई है, जो कृषि क्षेत्र में विद्युत सुविधाओं के व्यापक विस्तार का संकेत है। विद्युत अधोसंरचना में भी व्यापक वृद्धि हुई है। जिले में 132/33 केवी उपकेन्द्रों की संख्या 1 से बढ़कर 2 (चैनपुर एवं बहरासी) हो गई है, जबकि 33/11 केवी उपकेन्द्र 4 से बढ़कर 13 हो गए हैं। पावर ट्रांसफार्मर 5 से बढ़कर 17 तथा वितरण ट्रांसफार्मर 276 से बढ़कर 3,018 तक पहुंच गए हैं। उच्च दाब लाइनों की लंबाई 734 किमी से बढ़कर 3,718 किमी और निम्न दाब लाइनों की लंबाई 368 किमी से बढ़कर 3,429 किमी हो गई है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा एक जोन एवं 8 वितरण केन्द्रों के माध्यम से जिले के सभी गांवों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण सुनिश्चित किया गया है तथा 57 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा रही है।

चैत्र नवरात्र व कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारी को लेकर हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर जिले के मां बागेश्वरी कुदरगढ़ धाम में चैत्र नवरात्र व कुदरगढ़ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की लिए आज न्यू सर्किट हाउस में लोकन्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ द्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था।

बैठक में चैत्र नवरात्र व कुदरगढ़ महोत्सव को ध्यान में रखतें हुए महत्वपूर्ण बिंदुओ पर चर्चा की गई। चैत्र नवरात्र व कुदरगढ़ महोत्सव के दौरान तैयारियों की रूपरेखा व प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें बिजली, पानी, स्वच्छता, पार्किंग व शौचालय जैसे विषयों पर बिंदुवार चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा कुदरगढ़ मंदिर के परिक्षेत्र और महोत्व स्थल पर कचड़ा प्रबंधन को लेकर विशेष रूप से एहतिहात बरतने की बात कही गई। साथ ही नागरिकों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित करने को लेकर विभिन्न मुद्दों, दिए गए सुझावों एवं कार्य योजना पर चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, सूरजपुर रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, सत्यनारायण सिंह, रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष ओंकार पाण्डेय, कुदरगढ़ ट्रस्ट के सदस्य व जनप्रतिनिधि, कलेक्टर एस जयवर्धन, डीएफओ डीपी साहू, जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, एएसपी योगेश देवागंन, एसडीएम श्रीमती चांदनी कंवर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रिहायशी क्षेत्र में डब्ल्यूएमएम प्लांट लगाने पर लोगों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

राष्ट्रीय राज्य मार्ग 343 पर रामानुजगंज से बलरामपुर के बीच लगभग 90 करोड़ रुपये की लागत से दो लेन सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता और ठेकेदार की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। बार-बार शिकायत के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आज को पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बीडी लाल गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से कार्य कराया जा रहा है और गुणवत्ता का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जा रहा है। कई जनप्रतिनिधियों ने भी समय-समय पर इस मुद्दे को उठाया, यहां तक कि आंदोलन की चेतावनी भी दी गई, लेकिन संबंधित विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है। चक्का जाम के दौरान बीडी लाल गुप्ता ने कहा कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों, ठेकेदार और विभागीय इंजीनियरों से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही रिहायशी क्षेत्र से प्लांट नहीं हटाया गया और गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरीत असर

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सबसे गंभीर मुद्दा रामानुजगंज के नजदीक घनी रिहायशी क्षेत्र में डब्ल्यूएमएम प्लांट लगाए जाने का है। प्लांट से 24 घंटे धूल उड़ती रहती है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार पानी का छिड़काव करने की मांग की गई, लेकिन सड़क पर नियमित रूप से पानी नहीं डाला जा रहा, जिससे धूल की समस्या और गंभीर हो गई और लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है।

348 दिन बाद स्वास्थ्य होकर लौटी जनपद सदस्य आशा

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर

जनपद सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बैकुंठपुर श्रीमती आशा महेश साहू लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। रायपुर स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में उपचार उपरांत वे लगभग 348 दिनों बाद पूर्ण स्वास्थ्य लाभ लेकर अपने गृह ग्राम कोचीला लौटीं। घर पहुंचते ही परिवार एवं क्षेत्र की महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज से उनका स्वागत किया।

बहनों द्वारा आरती उतारी गई और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। इस दौरान घर का माहौल भावुक और आत्मीय रहा। उनके लौटने की खबर मिलते ही समर्थकों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों द्वारा मुलाकात कर सभी ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ पर प्रसन्नता व्यक्त की। लोगों ने कहा कि आशा महेश साहू के स्वस्थ होकर लौटने से क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। श्रीमती साहू ने भावुक होकर कहा कि बीमारी के इस कठिन दौर में क्षेत्रवासियों के स्नेह, आशीर्वाद और दुआओं ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखा। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा कार्यों में फिर से सक्रिय होने का संकल्प स्वास्थ्य लाभ के बाद उन्होंने कहा कि अब वे पुनः पूरे उत्साह और समर्पण के साथ क्षेत्र की सेवा और विकास कार्यों में जुटेंगी।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव

सोनगरा। भटगांव थाना परिसर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में वार्षिक उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी के नेतृत्व में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना और सुंदरकांड पाठ से हुई। आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान हनुमान की पूजा संपन्न कराई गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, सुरक्षा और जनकल्याण की कामना की। सुंदरकांड पाठ के दौरान मंदिर परिसर में गूंजती चौपाइयों और भजनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। भजन-कीर्तन में श्रद्धालु भावविभोर होकर शामिल हुए और देर तक भक्तिमय माहौल बना रहा। पूजा-पाठ के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें थाना स्टाफ, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान शरद चंद द्विवेदी, रमेश गुप्ता, वरुण राय, चंचल सिंह, मोहन प्रताप सिंह, जेपी गुप्ता, पप्पू मिश्रा, शशि रंजन, सुजीत मिश्रा,अनुराग द्विवेदी थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी सहित थाना स्टाफ के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विधानसभा सत्र के दौरान अवकाश प्रतिबंधित

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के षष्ठम् विधानसभा का अष्टम सत्र 23 फरवरी से 20 मार्च तक आहूत किया गया है। विधानसभा सत्र के दौरान जिले में पदस्थ समस्त शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के समस्त प्रकार के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। विधानसभा सत्र के दौरान समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय या मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करेंगे। अति आवश्यक कार्य या अपरिहार्य कारणों से अवकाश पर जाने अथवा मुख्यालय छोड़ने की स्थिति में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के अवकाश की स्वीकृति संबंधित विभाग के कार्यालय प्रमुख द्वारा एवं जिला स्तर के अधिकारी के अवकाश हेतु कलेक्टर सरगुजा से लिखित अनुमति प्राप्त करने के पश्चात ही अवकाश पर प्रस्थान कर सकेंगे।

कलश यात्रा के साथ हुआ पांच दिवसीय ज्ञानोत्सव का आगाज

रामानुजगंज। नगर में पांच दिवसीय ज्ञानोत्सव का भव्य शुभारंभ विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ। ज्ञान यज्ञ परिवार के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। लंबे समय बाद नगर में हो रहे इस भव्य कार्यक्रम को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत राम मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा से हुई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा नगर के प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए गायत्री मंदिर पहुंची। मार्ग में नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। आयोजन के तहत 12 से 16 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 8 से 11 बजे तक गायत्री यज्ञ शाला में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। वहीं दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक विजय कौशल महाराज के शिष्य आचार्य बलदेव कृष्ण के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत चरित्र अमृत कथा का वाचन होगा। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन शाम 6 बजे से स्वामी डॉ. त्याग मूर्ति की अमृतवाणी में आध्यात्मिक ज्ञान गंगा का प्रवचन आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर पूर्व से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। कलश यात्रा में मौलिक विचारक एवं चिंतक बजरंग मुनि, नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल, कन्हैया लाल अग्रवाल, अजय सोनी, एसपी निगम, प्रदीप अग्रवाल, अजय गुप्ता, संतोष गुप्ता,विकास दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पृष्ठ 1 का शेष

राष्ट्रव्यापी हड़ताल से...

नहीं दिए जाने की स्थिति में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। हड़ताल की आशंका को देखते हुए प्रशासन एवं प्रबंधन द्वारा सुबह 5 बजे से सुभाष नगर चौक, राजीव गांधी चौक, राम मंदिर तथा चरचा वेस्ट मुहाड़े में अधिकारी तैनात रहे, ताकि कामगारों को कार्यस्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। हालांकि काफी संख्या में कामगारों ने हड़ताल में शामिल होकर आंदोलन का समर्थन किया और हड़ताल का भरपूर असर देखने को मिला। वहीं दूसरी ओर बीएमएस यूनियन, प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के जेएमएस व टीएमसी के कुछ कामगार काम पर पहुंचे, जिससे एसईसीएल को आंशिक रूप से संभावित नुकसान से बचाया जा सका। कुल मिलाकर हड़ताल ने एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र में श्रमिक आंदोलन की गूंज को और तेज कर दिया है। आने वाले दिनों में यदि मांगों पर सहमति नहीं बनती, तो आंदोलन के और उग्र होने के संकेत भी साफ नजर आ रहे हैं।

केरला पुलिस की...

अनिल कचेर ,मैदान देखरेख एवं फिजियोथैरेपी मो. रफीक, एसईसीएल से सेवानिवृत्त पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मंच संचालन व अतिथि समन्वय मो. रियाज, आयोजन समिति में अध्यक्ष सहक्षेत्र प्रबंधक संजय कुमार, उपाध्यक्ष संदीप कुमार, सचिव मो. रियाज, सह-सचिव तपेश्वर प्रसाद एवं प्रवीन डेहरिया तथा कोषाध्यक्ष महेश कुमार को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। आयोजकों ने नगरवासियों व खेल प्रेमियों से काफी संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। प्रतियोगिता के ग्यारहवें दिन 13 फरवरी को दूसरा सेमीफाइनल दोपहर 3 बजे से सेरसा खड़कपुर पश्चिम बंगाल और जॉय यूनिवर्सिटी, चेन्नई तमिलनाडु के बीच खेला जाएगा।

संभाग स्तरीय बजट...

कि जागरूक और कर्मठ युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। इस अवसर पर मंच पर प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राणा, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीमा यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष कोमल पटेल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य आनंद ताम्रकार, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु श्रीवास्तव समेत भाजपा के जिला पदाधिकारी एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा जिला महामंत्री द्वय राहुल जायसवाल, अजय सिंह ने किया।

बिजली, पानी और...

महापौर ने यह भी कहा कि एक माह के भीतर जहां भी आवश्यकता होगी, वहां स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। साथ ही खराब सड़कों, बंद पड़ी लाइटों और सफाई व्यवस्था की बदहाली के लिए पूर्व कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। सभापति के निर्देश पर प्रारंभ हुई बजट बैठक में विपक्ष द्वारा उठाए गए अधिकांश प्रश्न बिजली, पानी, सड़क और प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन से संबंधित थे। बजट में पुराने बिंदुओं को शामिल किए जाने पर हल्की नोक-झोंक भी हुई। नेता प्रतिपक्ष के सुझावों के बाद महापौर ने संशोधन सहित बजट पारित करने की घोषणा की और विपक्ष के सुझावों को भी शामिल करने का आश्वासन दिया। सदन में साफ-सफाई को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने कई प्रश्न उठाए। उनका कहना था कि वार्डों में सफाई व्यवस्था दुरूस्त नहीं है और सफाई कर्मी उनकी बात नहीं सुनते। कुछ पार्षदों ने सेक्टरों में 4-5 सुपरवाइजरों की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए।

स्कूलों की प्रार्थना सभा में गूंजेगी अखबार की सुर्खियां

सूरजपुर। पढ़ाई को किताबी दायरों से निकालकर जीवन से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। विकासखंड प्रेमनगर पीपरडांड शासकीय प्राथमिक शाला में विद्यार्थियों की दिनचर्या में अखबार को शामिल कर परीक्षा केंद्रित से ज्ञान केंद्रित बनाने की दिशा में सार्थक कदम सिद्ध होगा। इस पहल के पीछे उद्देश्य सिर्फ पढवाना नहीं बल्कि विद्यार्थियों में सोचने, समझने, तार्किक, सवाल करने की आदत को विकसित करना है। सहायक शिक्षक राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम बच्चों को पढ़ने की संस्कृति को कमजोर कर रहा है।